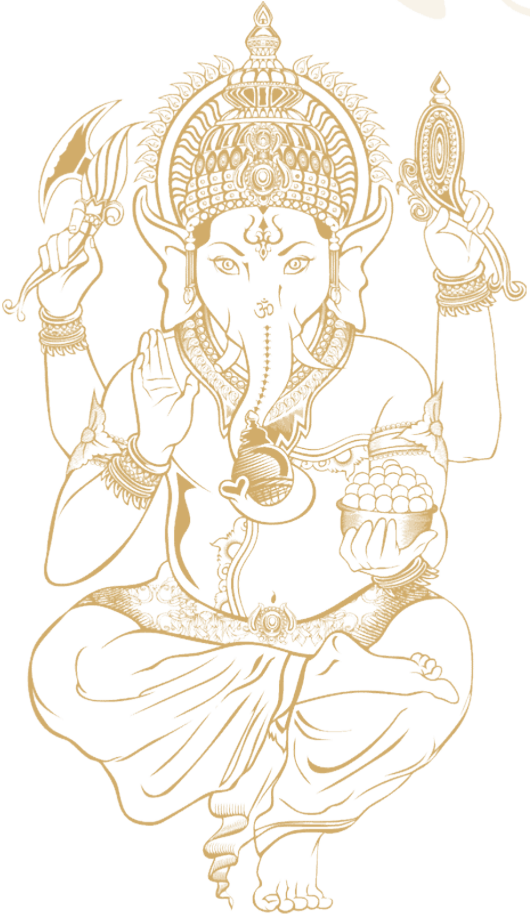

Jag

15 Apr 2026

05:06 PM

Sabathu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121943304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/04/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:06:00 घंटे**
इष्ट	27:57:55 घटी
स्थान	**Sabathu**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:00:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:43:56 घंटे
वेलान्तर	-00:00:05 घंटे
साम्पातिक काल	06:18:31 घंटे
सूर्योदय	05:54:49 घंटे
सूर्यास्त	18:49:59 घंटे
दिनमान	12:55:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:17:19 मेष
लग्न के अंश	09:46:36 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	09:46:36	312:00:47	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			मेष	01:17:19	00:58:46	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मीन	04:20:15	13:59:29	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मीन	10:10:47	00:46:34	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मीन	06:15:33	01:25:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			मिथु	22:47:18	00:06:15	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	25:11:00	01:13:20	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि		अ	मीन	13:06:10	00:07:15	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:52:23	00:02:37	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:52:23	00:02:37	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:13:07	00:03:02	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	08:30:35	00:02:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:10:47	00:00:35	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	10:01:23	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

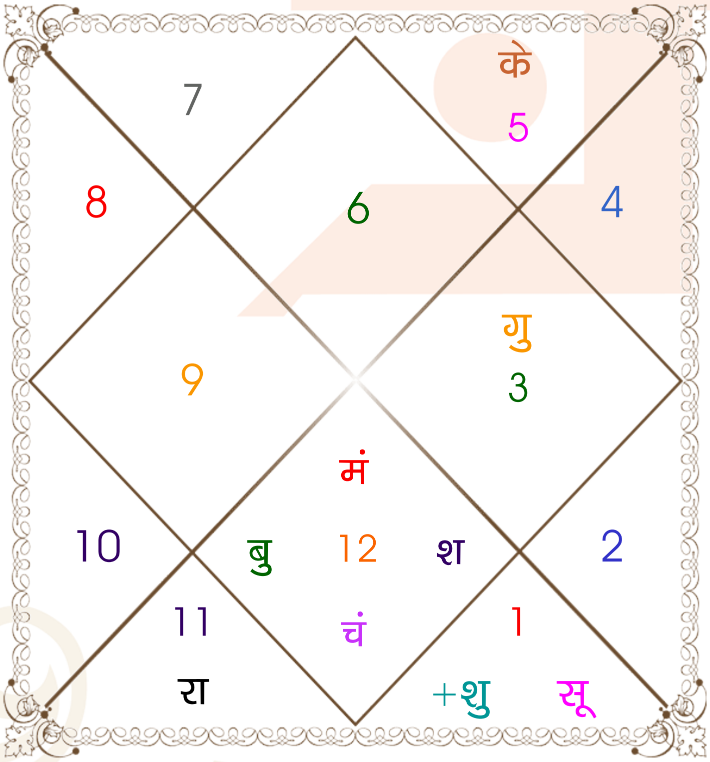

चन्द्र कुंडली

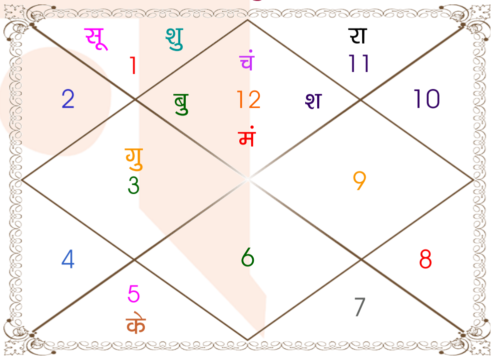

नवमांश कुंडली

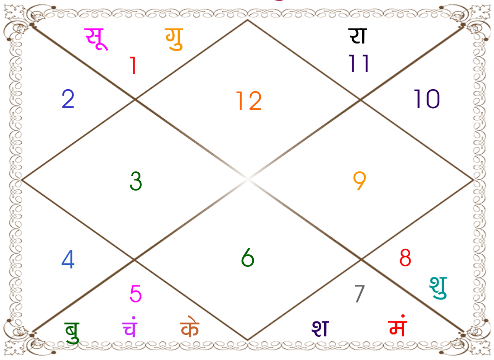

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 6 मास 25 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
15/04/2026	**09/11/2043**	**09/11/2060**	**09/11/2067**	**09/11/2087**
09/11/2043	**09/11/2060**	**09/11/2067**	**09/11/2087**	**09/11/2093**
शनि 12/11/2027	बुध 07/04/2046	केतु 07/04/2061	शुक्र 11/03/2071	सूर्य 27/02/2088
बुध 23/07/2030	केतु 04/04/2047	शुक्र 07/06/2062	सूर्य 10/03/2072	चंद्र 28/08/2088
केतु 31/08/2031	शुक्र 02/02/2050	सूर्य 13/10/2062	चंद्र 09/11/2073	मंगल 02/01/2089
शुक्र 31/10/2034	सूर्य 10/12/2050	चंद्र 14/05/2063	मंगल 09/01/2075	राहु 27/11/2089
सूर्य 13/10/2035	चंद्र 10/05/2052	मंगल 10/10/2063	राहु 09/01/2078	गुरु 15/09/2090
चंद्र 13/05/2037	मंगल 07/05/2053	राहु 27/10/2064	गुरु 09/09/2080	शनि 28/08/2091
मंगल 22/06/2038	राहु 25/11/2055	गुरु 03/10/2065	शनि 09/11/2083	बुध 04/07/2092
राहु 28/04/2041	गुरु 01/03/2058	शनि 12/11/2066	बुध 09/09/2086	केतु 09/11/2092
गुरु 09/11/2043	शनि 09/11/2060	बुध 09/11/2067	केतु 09/11/2087	शुक्र 09/11/2093

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
09/11/2093	**10/11/2103**	**10/11/2110**	**10/11/2128**	**10/11/2144**
10/11/2103	**10/11/2110**	**10/11/2128**	**10/11/2144**	**00/00/0000**
चंद्र 09/09/2094	मंगल 08/04/2104	राहु 23/07/2113	गुरु 29/12/2130	शनि 16/04/2146
मंगल 10/04/2095	राहु 26/04/2105	गुरु 17/12/2115	शनि 11/07/2133	00/00/0000
राहु 09/10/2096	गुरु 02/04/2106	शनि 23/10/2118	बुध 17/10/2135	00/00/0000
गुरु 08/02/2098	शनि 12/05/2107	बुध 11/05/2121	केतु 22/09/2136	00/00/0000
शनि 09/09/2099	बुध 08/05/2108	केतु 30/05/2122	शुक्र 24/05/2139	00/00/0000
बुध 09/02/2101	केतु 04/10/2108	शुक्र 30/05/2125	सूर्य 11/03/2140	00/00/0000
केतु 10/09/2101	शुक्र 04/12/2109	सूर्य 23/04/2126	चंद्र 11/07/2141	00/00/0000
शुक्र 12/05/2103	सूर्य 11/04/2110	चंद्र 23/10/2127	मंगल 17/06/2142	00/00/0000
सूर्य 10/11/2103	चंद्र 10/11/2110	मंगल 10/11/2128	राहु 10/11/2144	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 6 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते है और कार्य के पीछे पड़ जाते है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य ा है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्घायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।